

<https://www.jmi.ac.in>

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय  
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

**जामिया मिल्लिया इस्लामिया (JMI) के पूर्व पीएचडी स्कॉलर डॉ. राहुल कुमार वालिया को प्रतिष्ठित 'रॉयल सोसाइटी न्यूटन इंटरनेशनल फेलोशिप' मिली; सेंटर फॉर थियोरिटिकल फिजिक्स के 'ब्लैक होल रिसर्च ग्रुप' के लिए गर्व की बात**

नई दिल्ली, 12 जून, 2026

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के सेंटर फॉर थियोरिटिकल फिजिक्स (CTP) ने घोषणा की है कि उसके पूर्व पीएचडी स्कॉलर, डॉ. राहुल कुमार वालिया को अत्यंत प्रतिष्ठित 'रॉयल सोसाइटी न्यूटन इंटरनेशनल फेलोशिप' अवार्ड की गई है। इस वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी फेलोशिप कार्यक्रम के तहत, वे पोस्टडॉक्टरल रिसर्च के लिए यूनाइटेड किंगडम के यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन (UCL) से जुड़े हैं।

रॉयल सोसाइटी द्वारा दी जाने वाली 'न्यूटन इंटरनेशनल फेलोशिप', शुरुआती करियर वाले शोधकर्ताओं के लिए UK की सबसे चुनिंदा योजनाओं में से एक है। यह उत्कृष्ट वैज्ञानिकों को स्वतंत्र शोध करियर स्थापित करने और दीर्घकालिक अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने में मदद करती है। यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन में, डॉ. वालिया आधिकारिक तौर पर 'रॉयल सोसाइटी न्यूटन इंटरनेशनल फेलो' का पद संभालेंगे।

डॉ. वालिया ने CTP में प्रो. सुशांत जी. घोष के मार्गदर्शन में अपनी पीएचडी पूरी की, जहाँ उनके डॉक्टरेट शोध ने ब्लैक होल भौतिकी और ग्रेविटेशनल लेंसिंग (गुरुत्वाकर्षण लेंसिंग) में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके काम से 'कुमार-घोष ब्लैक होल पैरामीटर एस्टीमेशन फ्रेमवर्क' का विकास हुआ, जिसे 'द एस्ट्रोफिजिकल जर्नल' (वॉल्यूम 892, 2020, पृष्ठ 78) में प्रकाशित महत्वपूर्ण शोध-पत्र "ब्लैक होल पैरामीटर एस्टीमेशन फ्रॉम इट्स शैडो" (Black Hole Parameter Estimation from Its Shadow) में प्रस्तुत किया गया था।

अपनी पीएचडी के बाद, डॉ. वालिया के शैक्षणिक सफर में कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय फेलोशिप और नियुक्तियाँ शामिल रही हैं। उन्हें यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा 'फुलब्राइट-नेहरू पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप' से सम्मानित किया गया और उन्होंने एरिज़ोना विश्वविद्यालय में उन्नत शोध किया। उन्होंने क्राजलु-नताल विश्वविद्यालय में भी पोस्टडॉक्टरल फेलोशिप प्राप्त की, जिससे उनकी वैश्विक शोध प्रोफाइल और सुदृढ़ हुई।

वे 'इवेंट होराइजन टेलीस्कोप' (EHT) और अगली पीढ़ी के EHT सहयोगों के सक्रिय सदस्य हैं। अब तक, उन्होंने 32 शोध-पत्र लिखे हैं, जिन पर 3,300 से अधिक साइटेशन (उद्धरण) हैं और उनका h-इंडेक्स 23

है। अपने सुपरवाइज़र के साथ मिलकर उन्होंने 27 शोध-पत्र लिखे हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कई कार्य शामिल हैं। खास बात यह है कि उनके पांच जॉइंट पब्लिकेशन को 'IOP टॉप साइटेड पेपर अवॉर्ड – इंडिया (2019–2023)' मिला है।

प्रो. साइमा सईद  
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी